मैनिट भोपाल समाचार कतरन

MANIT Bhopal News Clippings

An Initiative By

Central Library

Maulana Azad National Institute of Technology Bhopal

Link Road No 3, Near Kali Mata Mandir

Bhopal, Madhya Pradesh – 462003

/CLMANITB

दैनिक भास्कर

सिटी भास्कर

Page-1

ACHIEVEMENT मैनिट के 14 प्रोफेसर्स स्टैंनफोर्ड यूनिवर्सिटी के टॉप वैज्ञानिकों में

साइंटिस्ट वाइब्रेशंस से बना रहे एनर्जी, कुछ ने सेंसर से बुजुर्गों की सुरक्षा पर किया काम

सिटी रिपोर्टर • मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) सेंट्रल इंडिया का एकमात्र ऐसा संस्थान है जिसके 14 फैकल्टी मेंबर्स स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी की गई टॉप-2 फीसदी वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में प्रोफेसर्स का सूची में शामिल होना दर्शाता है कि मैनिट कई ऐसे शोध पर काम कर रहा है, जिसका योगदान दुनिया को बेहतर भविष्य देगा। सिटी भास्कर ने ऐसे ही कुछ शोध के बारे में जानकारी प्राप्त की।

ईवी और हाई स्पीड ट्रांसपोर्ट में नवाचार

डॉ. शैलेन्द्र जैन, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट

डॉ. शैलेन्द्र जैन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी पर केंद्रित करने पर काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि वाहन भले प्रदूषण न करें, चार्जिंग अक्सर थर्मल पावर से होती है। इसे बदलने के लिए हाइब्रिड एनर्जी स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं, जहां दिन में सोलर पैनल से चार्ज होगा और रात में सोलर चार्ज बैटरी की मदद से। इसके अलावा, वे हाई स्पीड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर भी काम कर रहे हैं, जिसमें रोटरी मोटर के बजाय लीनियर मोटर का इस्तेमाल होगा। इससे ट्रेनों की अधिकतम गति 150 से बढ़कर 300-400 किमी/घंटा तक पहुंच जाएगी।

डिजिटल सिक्योरिटी होगी और बेहतर

डॉ. धीरेन्द्र मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, मैथ्स डिपार्टमेंट

डॉ. धीरेन्द्र मिश्रा डिजिटल सिक्योरिटीज को और बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। इंटरनेट बैंकिंग में हम कैसे और अधिक सुरक्षित रह सकते हैं। कंपनियों में जहां ग्रुप सिग्नेचर से काम होता है, उनके ट्रांजेक्शंस तो होते हैं, मगर कौन सा ट्रांजेक्शन किसकी अनुमति से हो गया, यह कई बार ट्रैक नहीं हो पाता। उनके नए सिक्योरिटी सिस्टम से यह ट्रैकिंग भी संभव हो सकेगी। वे ऐसे नए तरीके खोज रहे हैं जो क्वांटम कंप्यूटर से भी सुरक्षित हों। क्वांटम कंप्यूटर्स इतने सशक्त हैं कि उनके आते ही हमारे सारे सीक्योरिटी सिस्टम फेल हो जाएंगे। हम क्वांटम कंप्यूटर्स के सामने भी सुरक्षित रहेंगे।

वाइब्रेशन से एनर्जी बढ़ाने का मॉडल

डॉ. प्रशांत वी बारेदर, प्रोफेसर, एनर्जी डिपार्टमेंट

वाइब्रेशन से एनर्जी पर काम कर रहे हैं एनर्जी डिपार्टमेंट के डॉ. प्रशांत वी बारेदर। डॉ. प्रशांत ने विंड टर्बाइन्स के साथ ऐसा वाइब्रेशन कैप्चर का मॉडल तैयार किया है, जो पवन चक्की को चलाने के बाद उसके ब्लेड के बीच में से गुजर चुकी अनयूटिलाइज्ड हवा का इस्तेमाल करता है। चक्की में लगे ग्लास फाइबर और प्लास्टिक से तैयार यह मैकेनिज्म वाइब्रेशन को कैप्चर करता है, जिससे इलेक्ट्रिकल एनर्जी विकसित होती है। डॉ. बारेदर विंड टर्बाइन, जो 40 से 50% एफीशिएंसी पर काम करते हैं, इस वाइब्रेशन सेटअप की मदद से उनकी उत्पादन क्षमता 10 से 12% तक बढ़ा देते हैं।

सेंसर से बुजुर्ग सुरक्षा व स्वास्थ्य निगरानी

डॉ. विजय भास्कर सेमवाल, अ. प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस

डॉ. सेमवाल इन दिनों ह्यूमन गेट एनालिसिस पर काम करने वाले आईएमयू सेंसर पर काम कर रहे हैं, जो साइकोलॉजिकल हेल्थ मॉनीटरिंग करने वाला एक सेंसर है। इसके साथ ही, वे ऐसे प्रेशर सेंसर्स पर भी काम कर रहे हैं, जो वृद्ध लोगों को सपोर्ट करेंगे। यह बुजुर्गों के कदम, हार्टबीट के साथ उनकी हर गतिविधि को सटीकता से मापेगा। यहां तक कि यदि कोई इस सेंसर के साथ बेहोश हो जाए, तो भी परिवार के पास अलार्म पहुंच सकेगा। इसके अलावा, एक ऐसी सेंसरी स्टिक भी विकसित कर रहे हैं, जिसमें गूगल मैप के साथ वॉइस मोड का असिस्टेंट होगा, रुकावट आने पर रोकेगा।

सिटी भास्कर

Page- 2

AUTOMAX 4.0

मैनिट में स्टूडेंट्स ने किया ड्रोन, रोबोटिक आर्म, प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन

जेस्चर कंट्रोल तकनीक से इशारों पर दौड़ा दी कार

सिटी रिपोर्टर • मैनिट (मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के रोबोटिक्स क्लब का नाम अब सिर्फ कॉलेज की दीवारों तक सीमित नहीं है। चार साल पहले शुरू हुआ यह सफर अब शहर की तकनीकी पहचान बन चुका है। 11 और 12 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप ऑटोमैक्स 4.0 ने यह फिर साबित किया कि जब युवा दिमाग एक दिशा में सोचते हैं, तो नवाचार केवल किताबों या लैब्स में नहीं रहता। वह शहर की ऊर्जा का हिस्सा बन जाता है।

भविष्य की एडवांस तकनीक

रोबोटिक्स क्लब के सीनियर सदस्यों ने हर विषय को डेमो, लाइव प्रोजेक्ट्स और इंटरएक्टिव सेशन्स के माध्यम से इस तरह समझाया कि तकनीक मुश्किल नहीं, बल्कि मजेदार लगने लगी। वर्कशॉप के दौरान जब स्टूडेंट्स ने अपने बनाए आरसी प्लान, ड्रोन, रोबोटिक आर्म, आरसी कार जैसे प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया, तो दर्शकों ने महसूस किया कि यह सिर्फ मेकैनिकल मॉडल नहीं हैं। यह उन युवा दिमागों की उड़ान है जो सोचने की हिम्मत रखते हैं। सबसे रोमांचक क्षण तब आया जब स्टूडेंट्स ने जेस्चर कंट्रोल तकनीक से अपने इशारों पर कार चलाई। यह तकनीक की जीत से ज्यादा, जिज्ञासा की जीत थी।